वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 218 | शनिवार 3 दिसम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जेंडर इक्वलिटी पर 'मीडिया कार्यशाला'

समाज को दिशा देने में मीडिया की सशक्त भूमिका: लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए मीडिया अपनी भूमिका का निर्वहन करें: महिला एवं बाल विकास सचिव

जयपुर. शाबाश इंडिया

निदेशालय महिला अधिकारिता द्वारा यूएनएफपीए के सहयोग से शुक्रवार को जयपुर स्थित एक होटल में मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें प्रिन्ट, रेडिओ-इलक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास सचिव दिनेश कुमार यादव ने महिलाओ से संबंधित अधिकारों पर जोर देते हुए कहा कि सदियों से चले आ रहे जेंडर आधारित मानदंडों के कारण महिलाओं को अपने अधिकारों से वंचित रहना पड़ा है। उन्होंने कहा कि भारत में आजादी के समय से ही लैंगिक समानता को महत्व दिया गया। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही महिलाओं को पुरुषों के साथ बराबरी से मतदान का अधिकार दिया गया। जबकि कई लोकतांत्रिक देशों को ऐसा करने में बहुत समय लगा। उन्होंने कहा कि लैंगिक समानता को मीडिया प्रमुखता से आगे बढ़ाएगा तो निश्चित रूप से समाज में परिवर्तन होगा और लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि समाज को दिशा देने में मीडिया सशक्त है। लैंगिक समानता को स्थापित करने में मीडिया

महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकता है। कार्यशाला में आयुक्त महिला अधिकारिता पुष्पा सत्यानी ने अपने संबोधन में समाज में जेंडर इक्वलिटी के लिए महिलाओं की जागरूकता के साथ ही पुरुषों की जागरूकता और उसको व्यवहारिकता में उपयोग करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें संस्कारों में ही इस विचार को बढ़ावा देना होगा कि महिला और पुरुष दोनों में कोई भेद नहीं है। इस अवसर पर निदेशक, महिला एंव बाल विकास सेवाए रामावतार मीणा ने जेंडर इक्वलिटी को बढ़ावा देने के लिए मीडिया का आवाहन किया। यूएनएफपीए स्टेट हेड दीपेश गुप्ता ने जेंडर समानता लाने में मीडिया के महत्व को उजागर करते हुए कहा की बीजिंग प्लेटफॉर्म फॉर एक्शन में वुमन एण्ड मीडिया को 12 क्रिटिकल एरिया मे से एक माना गया है । उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के द्वारा वर्ष 2019 में घोषित 17 सस्टेनेबल गोल में से जेंडर इक्वलिटी पांचवा गोल है। इस विषय पर मीडिया के द्वारा सकारात्मकता के साथ कार्य किया जाना अपेक्षित है। अतिरिक्त निदेशक जनसम्पर्क, पुलिस मुख्यालय गोविंद पारीक ने अपने संबोधन में महिलाओं पर होने वाली हिंसा के बारे में पुलिस विभाग द्वारा जारी डाटा साझा किया। उन्होंने मीडिया में संवेदनशीलता के साथ जेंडर इक्वलिटी को बढ़ावा देने के लिए कार्य करने के लिए अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर महिला बाल विकास विभाग के जनसंपर्क अधिकारी गजाधर भरत ने अपने द्वारा रचित कविता की कुछ पंक्तियों के माध्यम से बताया कि महिला एवं पुरुष दोनों का ही किरदार महत्वपूर्ण है। उन्होंने मीडिया से आग्रह किया कि वे अपनी रिपोर्टिंग में जेंडर इक्वलिटी को एक सकारात्मक नरेटिव के रूप में आगे बढ़ाकर समाज में लिंग भेद को खत्म कर परिवर्तन ला सकते हैं। इसके साथ ही महिला सशक्तिकरण हेतु भरत ने मीडिया को राजस्थान सरकार की आई एम शक्ति उड़ान योजना एवं आईएम शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना, शिक्षा सेतु योजना, मुख्यमंत्री वर्क फ्रॉम होम योजना, जागृति बैक टू वर्क योजना सहित विभिन्न योजनाओं के बारे में आमजन तक जानकारी पहुंचाने के लिए अपनी लेखनी का उपयोग करने के लिए आग्रह किया।

बजट घोषणाओं में लंबित कार्यों की निर्माण संबंधी प्रक्रियाओं को समय पर करें पूरा

मुख्य सचिव ने निर्माण कार्यों की निविदाएं समय पर पूरी कर वर्क आर्डर भी जल्द जारी करने के दिये निर्देश: मुख्य सचिव

जयपुर. कासं। मुख्य सचिव उषा शर्मा ने सभी कार्यकारी संस्थाएं जिनके बजट घोषणाओं की अनुपालना में निर्माण कार्य लंबित हैं, उनसे संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए हैं। आम जनता को जल्द ही इनका उचित लाभ मिल सके, इसके लिए उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों की निविदाएं समय पर पूरी हो और पूरी हो चुकी निविदाओं के वर्क ऑर्डर जल्द जारी किये जाएं। मुख्य सचिव शुक्रवार को यहां शासन सचिवालय में विभिन्न कार्यकारी संस्थाओं के स्तर पर लंबित कार्यो एवं बजट घोषणाओं के लंबित निर्माण कार्यों के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रही थी। इस दौरान उन्होंने जिन विभागों के प्रकरण लंबित है उनके अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से चर्चा कर समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश

दिए कि राज्य में चल रही परियोजनाओं को जल्दी ही पूरा किया जाये और इन परियोजनाओं से जुड़े संबंधित विभाग समन्वय के साथ काम करें। मुख्य सचिव ने परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण से जुड़े मामलों को भी जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। शर्मा ने जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के अधिकारियों को जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युतीकरण के कामों में कोई कोताही नहीं बरतने के निर्देश दिए, जिससे किसानों को इसका लाभ समय पर मिल सकें। मुख्य सचिव ने राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड के द्वारा किये जा रहे कार्यों की प्रगति की भी सराहना करते हुए संबंधित विभागों को प्रक्रियाओं को और सरल बनाने की हिदायत दी।

श्री दिगम्बर जैन देशभूषण आश्रम अचरोल में

श्रीमज्जिनेन्द्र पार्श्वनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव व विश्व शांति महायज्ञ का समापन

सौभाग्यशाली है कि हमें मिले हैं देव, शास्त्र व गुरु.का समागम : आचार्य श्री सुनील सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

अरावली पर्वत श्रंखला के सुरम्य वातावरण में स्थित अचरोल ग्राम के श्री दिगम्बर जैन देषभूषण आश्रम में तपस्वी सम्राट आचार्य श्री सन्मति सागर जी गुरुदेव के पट्ट शिष्य चर्या शिरोमणि आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ससंघ में चल चल रहे 6 दिवसीय श्रीमज्जिनेन्द्र पार्श्वनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव का समापन शुक्रवार को निकली शोभायात्रा व श्रीजी को वेदी में विराजमान करने के साथ हुआ। उक्त जानकारी देते हुए प्रचार संयोजक रमेश गंगवाल ने बताया नेम प्रकाश खण्डाका, देव प्रकाश खण्डाका व संत कुमार खण्डाका

ने व परिजन तथा श्रावक श्राविकाओं ने महोत्सव के अंतिम दिन शुक्रवार को जिनेन्द्र अभिषेक व शांतिधारा के बाद ज्ञानकल्याणक व मोक्षकल्याणक पूजा की। इस अवसर पर सौधर्म इन्द्र श्रीमती प्रियांगी-कमल खंडाका,धनपति कुबेर श्रीमती ममता सौगानी-शांति कुमार सौगानी जापान वाले, महायज्ञनायक श्रीमती राजुल-राजकुमार खंडाका व ईशान इन्द्र श्रीमती निलेश-नेक कुमार खण्डाका सहित अन्य इन्द्र-इन्द्राणियों ने पूजन करलो पुण्य कमा लो...मेरे मन मंदिर में आन बसो भजनों की स्वर लहरियों के बीच अर्घ्य चढ़ाए। इस सुअवसर पर आचार्यश्री सुनील सागर जी महाराज ने मोक्ष कल्याणक संस्कार किए। पश्चात विश्व में शांति के लिए हवन में आहुतियां दी। इसके बाद शांतिपाठ,विसर्जन,क्षमायाचना के आयोजन हुए। इस अवसर पर धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए आचार्यश्री ने कहा कि आज हम लोग बड़े सौभाग्यशाली है कि हमें जैनकुल मिला,ऐसे देव ,शास्त्र व गुरु का सानिध्य मिला,जिसने हमें धर्म से जोड़ दिया। भगवान पार्श्वनाथ हमारे बीच में प्नहीं है लेकिन उनका चारित्र हमारे पास है।वे कहते है कि आत्मा अनंत गुणोंकी खान है जीवन को हीरों-सा बनाओ। संसार की खदान में कोयला मत बनो।किसी महान गुरु रूपी जौहरी के हाथ लग जाओ,वह कोयला भी हीरा बन जाएगा। दुनिया उनके लिए बुरी है जो खुद बुरे है और दुनिया उनके लिए अच्छी है जो खुद अच्छे हैं।

महामस्तकाभिषेक महोत्सव में देर रात तक चला राष्ट्रीय कवि सम्मेलन

कवियों ने किये महावीर के गुणगान

श्री महावीरजी. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी में 1000 हजार साल प्राचीन अतिशयकारी भगवान महावीर की टीले से निकली प्रतिमा के चल रहे महामस्तकाभिषेक महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में गुरुवार,01 दिसम्बर को रात्रि 8.00 बजे से राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। देर रात तक चले कवि सम्मेलन में कवि अनामिका अम्बर, सौरभ सुमन, पंकज फनकार, अजय अहिंसा सहित बाल कवि आदित्य जैन कोटा ने अपनी कविताओं के माध्यम से भगवान महावीर के जीवन चरित्र एवं सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। उन्होंने आध्यात्मिक,वीर रस, देश भक्ति, आज के राजनीतिक माहौल पर व्यंग्य करते हुए कविताएं सुनाकर देश के नामी कवियों ने श्रोताओं को देर रात तक बांधे रखा। प्रचार संयोजक विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि कवि सम्मेलन का शुभारंभ भगवान महावीर की प्रतिमा के समक्ष महोत्सव समिति के पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। तत्पश्चात आगरा की गीतकार अनामिका जैन अम्बर ने महावीर वन्दना प्रस्तुत कर कवि सम्मेलन का आगाज किया। कवि सम्मेलन का मंच संचालन कर रहे सौरभ सुमन ने भक्ति पाठ के अन्दाज में काव्य पाठ करते

हुए "ले लो वीर जी हमको अपनी शरण,आए है द्वार पे छूने तेरे चरण। कट गये कर्म जिनके सुमन का नमन है, समर्पित तुम्हें मेरा मंगलाचरण।। बोलते हुए भगवान महावीर की महिमा पर काव्य पाठ किया।सौरभ सुमन ने वीर रस पर कविता पाठ करते हुए अकबर,महाराणा प्रताप एवं रानी लक्ष्मीबाई की तुलना बताते हुए देश भक्तों की वीरता बताई। अनामिका अम्बर ने वीर सैनिकों का देश के प्रति समर्पण भाव एवं कर्तव्य बोध बताते हुए सैनिकों के शहीद होने के उपरांत के घटनाक्रम को कविता के माध्यम से समझाया कि किस तरह से सैनिक का बेटा भी देश पर न्यौछावर होने की भावना व्यक्त करता है। अजय अहिंसा ने प्रसिद्ध दिगम्बर जैन संत आचार्य श्री विद्यासागर महाराज, प्रसिद्ध उदघोषक अमीन साहनी सहित कई फेमस हस्तियों के प्रस्तुतिकरण को समझाया। कोटा के बाल कवि आदित्य जैन ने कविता सुनाई कि 'जो अहिंसा धार लेता है, वहीं वीर होता है,जो मन को मार लेता है वहीं महावीर होता है '। कवि अजय अहिंसा ने जय जय जय महावीर जी,दीन दुखियों की हरले सदा पीर जी, वन्दना प्रस्तुत कर श्रोताओं को भक्ति रस में डूबो दिया। कवियों ने देर रात तक जैन धर्म और चौबीस तीर्थंकरों सहित वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य एवं देश के ज्वलंत मुद्दों पर कविता पाठ सुनाकर श्रोताओं को उद्वेलित कर दिया। कवि सम्मेलन देर रात तक जारी रहा।इस दौरान सभी कवियों ने अपनी कविताओं के माध्यम से हास्य व्यंग की तर्ज पर देश के वर्तमान हालातों सहित राजनीति एवं आज के समय की समस्याओं पर व्यंग्य कर श्रोताओं को सोचने को मजबूर कर दिया। श्रोताओं ने कविता पाठ पर तालियां बजाकर कवियों का जोश बढ़ाया। इससे पूर्व कमेटी की ओर से अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी, कार्याध्यक्ष विवेक काला, पूर्व अध्यक्ष जस्टिस नगेन्द्र कुमार जैन आदि ने कवियों का सम्मान किया। कवि सम्मेलन में महोत्सव समिति के पदाधिकारियों,श्री वीर सेवक मण्डल जयपुर के कार्यकर्ताओ एवं गणमान्य श्रेष्ठीजनों सहित पंडित मुकेश जैन, चन्द्रेश जैन,संजय छाबड़ा एवं बड़ी संख्या में श्रोतागण मौजूद थे। इससे पूर्व भगवान महावीर की महाआरती की गई।

पूज्य समकितमुनिजी म.सा. के सानिध्य में मुमुक्षु मान्या का अभिनन्दन

जयपुर के जवाहरनगर के महावीर साधना केंद्र में हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। भीलवाड़ा के शांतिभवन में ऐतिहासिक चातुर्मास सम्पन्न करने वाले आगम मर्मज्ञ, प्रज्ञामहर्षि पूज्य समकितमुनिजी म.सा., प्रेरनाकुशल भवान्तमुनिजी मसा, गायनकुशल जयवन्तमुनिजी मसा आदि ठाणा का शुक्रवार को प्रवास जवाहरनगर के महावीर साधना केंद्र में रहा। मुनिश्री शनिवार सुबह जवाहरनगर से मंगलविहार कर आमेर से आगे कुकस रोड पर कोठारी फार्म हाउस पहुचेंगे। इससे पूर्व शुक्रवार सुबह महावीर साधना केंद्र में धर्मसभा के दौरान मेरठ में 1 जनवरी को श्रमण संघीय सलाहकार पूज्य सुमतिप्रकाशजी मसा के सानिध्य में संयम जीवन अंगीकार करने जा रही मुमुक्षु मान्या का जवाहरनगर श्रीसंघ और मानसरोवर श्रीसंघ की ओर से हार्दिक अनुमोदना करते हुए अभिनन्दन किया गया। श्रावक- श्राविकाओ ने मुमुक्षु के लिए हार्दिक मंगलकामना व्यक्त की। पूज्य समकितमुनिजी ने श्रावक-श्राविकाओ को धर्मसन्देश प्रदान करते हुए जिनशासन की सेवा में लगे रहने की प्रेरणा प्रदान की। आयोजन में मुमुक्षु के साथ आए नरेश जैन आदि भी मौजूद थे।

भीलवाड़ा से पहुंचे श्रावक-श्राविकाओं ने लिया सेवा का लाभ

पूज्य समकितमुनिजी म.सा., प्रेरनाकुशल भवान्तमुनिजी मसा, गायनकुशल जयवन्तमुनिजी मसा आदि ठाणा के दर्शन ओर धर्मसेवा का लाभ लेने के लिए भीलवाड़ा के कई श्रावक-श्राविका भी शुक्रवार को जयपुर पहुचे। इनमें सुश्रावक प्रकाशचन्द बाबेल ब्यावरवाले, नरेंद्र पीपाड़ा, निलेश कांठेड़, श्राविका कंचन मेहता, संगीता सुराना, मोनिका बाबेल आदि शामिल थे। श्रावक-श्राविकाओ ने धर्मचर्चा का लाभ लेते हुए मुनिश्री से फिर भीलवाड़ा पधारने की विनती की।

अब मेरठ की दिशा में विहार यात्रा

पूज्य समकितमुनिजी मसा आदि ठाणा की जयपुर से विदाई होकर मेरठ की दिशा में विहार यात्रा चलेगी। भीलवाड़ा के सुश्रावक लादूसिंह धूपिया निरन्तर विहारसेवा का लाभ ले रहे है। श्री धूपिया भीलवाड़ा से विहारयात्रा शुरू होने के बाद निरन्तर विहारयात्रा में सेवा दे रहे है। मुनिश्री शनिवार सुबह जवाहरनगर से मंगलविहार कर आमेर से आगे कुकस रोड पर कोठारी फार्म हाउस पहुंचेंगे। पूज्य समकितमुनिजी म.सा. आदि ठाणा विहार यात्रा के तहत दिल्ली के बाहरी क्षेत्र से होते हुए 24-25 दिसम्बर तक मेरठ पहुंचने की भावना है।

मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज ने कहा...

दूसरों के कल्याण के लिए जिनका जन्म होता है उन्हीं का जन्म कल्याणक मनाया जाता है...

इंदौर. शाबाश इंडिया

जिस जीव का जन्म दूसरों के कल्याण के लिए होता है उसी का जन्म कल्याणक मनाया जाता है। एक सामान्य व्यक्ति का जन्म होने पर घर परिवार मोहल्ले और मित्र एवं रिश्तेदारों को हर्ष होता है लेकिन जब तीर्थंकर बनने वाले बालक का जन्म होता है तो तीन लोक में खुशियां मनाई जाती हैं और उनका जन्म कल्याणकभी मनाया जाता है यह बात मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज ने महावीर नगर में हो रहे विश्व की सबसे बड़ी स्फटिक मणि की प्रतिमा के पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के तीसरे दिन शुक्रवार को मनाए गए जन्म कल्याणक के अवसर पर कही। प्रचार प्रमुख राजेश जैन दद्दू ने बताया कि भावी तीर्थंकर बनने वाले बालक नेमिकुमार के जन्म के उपलक्ष्य में महोत्सव स्थल से भव्य जन्म कल्याणक शोभायात्रा निकाली गई जिसमें ऐरावत हाथी पर सौ धर्म इंद्र एवं शचि इंद्राणी बालक नेमी कुमार को लेकर विराजमान थे एवं 12 बग्घियों में महोत्सव के अन्य पात्र सवार थे। शोभा यात्रा के दौरान जन्म की खुशी में कुबेर इंद्र रजनीकांत गांधी रत्नों की वृष्टि कर रहे थे। चिंडे बैंड अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए चल रहा था शोभायात्रा में सम्मिलित पुरुष व महिलाएं नाचते, थिरकते एवं जयकारा लगाते हुए पैदल चल रहे थे। शोभायात्रा जुलूस के दिगंबर जैन मंदिर गोयल नगर पहुंचने पर बालक नेमि कुमार को पांडुक शिला पर विराजमान कर सौ धर्म इंद्र सहित सभी इंद्रों द्वारा 1008 स्वर्ण एवं रजत कलशों से जन्माभिषेक किया गया। स्वर्ण एवं रजत कलश करने का सौभाग्य विकास जैन, डॉक्टर अशोक जैन, अमित जैन, मनोज मुकेश बाकलीवाल, संजीव जैन, होलाश सोनी, अतिशय जैन एवं राजेश डॉक्टर जैनेंद्र जैन ने प्राप्त किया। इस अवसर पर हजारों की संख्या में पुरुष एवं महिलाएं

उपस्थित थे। संचालन पंडित अरविंद शास्त्री ने किया एवं आभार दिलीप पाटनी ने माना।

आज नेमिकुमार की बारात एवं पिच्छि का परिवर्तन होगा

प्रातः जन्म कल्याणक पूजन, राज दरबार, राज्याभिषेक, मुनिश्री के प्रवचन, एवं दोपहर 1:00 बजे नेमी कुमार की बारात महोत्सव स्थल से निकलकर कनाडिया रोड नए जैन मंदिर होते हुए मेन रोड से वापस महोत्सव स्थल पहुंचेगी पश्चात 3:30 बजे मुनि श्री आदित्य सागर जी, अप्रमितसागर जी, सहज सागर जी अपनी पिच्छी का परिवर्तन कर नई पिच्छिका ग्रहण करेंगे एवं रात्रि में महा आरती, सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।

वेद ज्ञान

लगन से जीवन बदल जाता है

इंग्लैंड के महान चिंतक जेम्स मूर ने इंग्लिश चैनल पार करने वाली पहली महिला तैराक के लिए बस इतना ही कहा था कि यह उनकी लगन का प्रतिफल है, अन्यथा संकल्प लेने वालों की कमी नहीं है। छोटा सा शब्द है लगन, पर जिसमें लग जाए, उसका जीवन बदल जाए। इतनी शक्ति है इसमें कि बड़े से बड़ा काम पूर्ण होने में कोई संदेह नहीं और छोटे से छोटा काम भी अपूर्ण रह जाए अगर लगन की अगन नहीं चढ़े। विद्यार्थियों को पढ़ाई की लगन लग जाए तो कभी असफलता उनकी राह में नहीं आएगी। संत पुरुषों में सच्चाई की खोज की लगन रहती है तो वैज्ञानिकों में नई-नई खोजों को पूरा करने का जुझारूपन। ईश्वर से लगन लगाने वाले लोग इतने रम जाते हैं कि कभी वे बहुत भावुक होकर रोने लगते हैं तो कभी नृत्य करने लगते हैं। मीरा को भगवान कृष्ण की भक्ति की जब लगन लग गई तो वह दीवानी बन गई। यह लगन की चरम पराकाष्ठा होती है, जिसके बाद शून्य का वृत आ जाता है। अपने परिप्रेक्ष्य में यह आत्मशक्ति और संकल्पशक्ति से जुड़ा हुआ है। इसलिए पहले छोटे और आसान संकल्पों को पूरा करने का जहमत उठाएं, उसके बाद बड़े अभियान की ओर। लक्ष्य प्राप्ति के बाद खुद की शक्ति का भी मूल्यांकन करें और खुद को शाबाशी दें। होना तो यह चाहिए कि संपूर्ण परिवार का इसमें सहयोग हो जिससे कि राह और आसान हो जाए। सामाजिक रिश्तों का ताना-बाना बुनने वाले तत्वों में आत्मशक्ति का बहुत प्रभाव पड़ता है, क्योंकि यह आत्म शांति से जुड़ा होता है। कामनाओं की मृगतृष्णा में दौड़ता-हांफता मनुष्य एक उम्र के बाद जान जाता है कि उसकी शक्ति और हुनर किस क्षेत्र में सिद्ध हो सकती है। उस ओर ही लगन लगानी चाहिए। लगन को शौक से अलग परिभाषित किया गया है। शौक कई हो सकते हैं, पर लगन से हर शौक पूरा हो जाए, यह जरूरी नहीं। देश और समाज को क्षति पहुंचाने वाले शौक के लिए लगन लगाना देशद्रोह का सूचक है। ऐसे शौक वर्जित होते हैं। इन्हें कोई कितना भी लगन से पूरा कर ले, वह प्रशंसा का पात्र नहीं हो सकता। अच्छे लक्ष्यों और उद्देश्यों के कारण जो शौक पाले जाते हैं, वे समाज के लिए अनुकरणीय होते हैं। सकारात्मक और रचनात्मक शौक को पूरा करने के लिए जिस लगन की जरूरत होती है, उसके लिए दृढ़ इच्छाशक्ति होनी चाहिए।

संपादकीय

बदायूं में चूहे को मारने के आरोप

उत्तर प्रदेश के बदायूं में चूहे को मारने के आरोप में एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया जाना एक अलग घटना लग सकती है। समूचे जीव-जगत में इंसान को इसलिए सबसे अलग और विशेष माना जाता है कि मानव सभ्यता के विकास के क्रम में इसके भीतर विकसित विवेक और संवेदना ने इसे पारिस्थितिकी के चक्र को समझने का मौका दिया और उसी मुताबिक इसके व्यवहार बनते गए। लेकिन इसके समांतर इसी समाज में ऐसे बर्ताव ने भी अपनी जगह बनाई, जिसके रहते इंसानी तकाजों पर सवाल उठते हैं। उत्तर प्रदेश के बदायूं में चूहे को मारने के आरोप में एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया जाना एक अलग घटना लग सकती है, लेकिन इसे मनुष्य के बीच अवांछित व्यवहारों के एक उदाहरण के तौर पर भी देखा जा सकता है। यह मामला चूंकि अब कानून के कठघरे में है, इसलिए अब इसका फैसला कानूनी प्रक्रिया के तहत किया जाएगा। दरअसल, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम का

मकसद ही मनुष्य के ऐसे व्यवहारों पर लगाम लगाना है, जिसमें वह बेमानी वजहों से किसी पशु पर हमला करता है या उसे मार डालने के लिए क्रूर तौर-तरीके अपनाता है। इस लिहाज से देखें तो बदायूं की घटना में यह विचित्र था कि युवक ने पहले तो एक चूहे को मारने के लिए उसकी पूंछ को एक पत्थर से बांधा, फिर उसे एक नाले में फेंक दिया, जिससे चूहे की मौत तड़प-तड़प कर हो। किसी पशु के प्रति इस तरह की क्रूरता का यह कोई अकेला उदाहरण नहीं है। आए दिन ऐसे मामले सामने आते रहते हैं। हाल ही में दिल्ली में एक गर्भवती कुतिया को एक कालेज के कुछ कर्मचारियों और छात्रों ने मिल कर बेहद बर्बरता से पीट-पीट कर मार डाला। इस घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया। लेकिन यह अपने आप में किसी भी मनुष्य के वजूद पर सवाल है कि किसी जीव के प्रति उसके भीतर किस हद तक संवेदनहीनता मौजूद है। यह समझना मुश्किल है कि किसी भी पशु को तड़पा कर मारने से व्यक्ति को किस तरह संतोष मिलता है! अगर सचमुच कोई संतोष मिलता है तो क्या यह इस बात का सबूत नहीं है कि ऐसे व्यक्ति के भीतर संवेदना का उचित विकास नहीं हो पाया या फिर उसने अपने मानवीय विवेक को दरकिनार कर संवेदनहीन होने के लिए सचेतन प्रयास किया? सच यह है कि मन-मस्तिष्क में मौजूद विवेक आधारित संवेदनशीलता ही मनुष्य को समूचे जीवन-जगत में खास बनाती है। ऐसे तमाम पशु-पक्षी रहे हैं, जो मानव सभ्यता के विकास क्रम में उसके सहायक के रूप में साथ रहे और कई स्तर पर बेहद उपयोगी साबित हुए। यों भी समूचे पारिस्थितिकी तंत्र में जीव-जगत का अपना चक्र है और सभी का जीवन किसी न किसी रूप में एक दूसरे के अस्तित्व से जुड़ा है। इस नाते किसी भी व्यक्ति के लिए यह समझना उसके मनुष्य होने की बुनियादी शर्त के तौर पर देखा जाना चाहिए कि वह किसी भी जीव के प्रति अपने व्यवहार को कितना विवेकसम्मत बना पाता है और अपने व्यवहार में कितनी संवेदनशीलता बरत पाता है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

नाहक विवाद...

अलग-अलग देशों में संबंधों के अपने तकाजे होते हैं और कई बार वे किसी बेहद नाजुक छोर से जुड़े होते हैं। इसमें बिना गंभीरता से विचार किए की गई किसी एक गतिविधि या बयान से नाहक विवाद की स्थिति पैदा हो सकती है। गोवा में हाल ही में आयोजित तिरपनवें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के आखिरी दिन ''**कश्मीर फाइल्स**'' फिल्म को लेकर आए बयान ने जिस तरह के विवाद की स्थिति पैदा कर दी, वह इस बात का उदाहरण है कि कैसे किसी एक व्यक्ति की टिप्पणी उसके देश के सामने सफाई पेश करने के हालात पैदा कर दे सकती है। समारोह में शामिल फिल्म '**कश्मीर फाइल्स**' को लेकर किसी की राय अलग हो सकती है, लेकिन उसे जाहिर करने का तरीका ऐसा भी हो सकता है जो स्वस्थ विमर्श या बहस का हिस्सा बने। इसके बरक्स समारोह में जूरी के मुख्य नदव लापिद ने फिल्म के बारे में अपनी जो राय सामने रखी, उसने बहस के बजाय विवाद को जन्म दे दिया। जिस फिल्म ने हाल ही में एक गंभीर राजनीतिक प्रश्न पर चर्चा छेड़ी थी और माना जा रहा है कि उसने एक संवेदनशील मुद्दे को दर्शाने की कोशिश की है, उस पर नदव लापिद की गैरजरूरी तरीके से तल्ख और नकारात्मक प्रतिक्रिया ने स्वाभाविक ही कई लोगों के भीतर क्षोभ पैदा किया। संभव है कि किसी फिल्म के बारे में उनकी अपनी राय हो, लेकिन उसे सार्वजनिक पटल पर रखते समय उन्हें उसके प्रभाव के बारे में भी ध्यान रखना चाहिए था। खासतौर पर तब जब इसकी आशंका हो कि वैसे बयान से किस तरह के कूटनीतिक सवाल खड़े हो सकते हैं। किसी बात को कहने का तौर-तरीका भी उसके प्रभाव को अप्रत्याशित बना दे सकता है। नदव लापिद चूंकि इजराइल में फिल्म निर्देशक हैं, इसलिए उनकी टिप्पणी पर उपजी प्रतिक्रिया में इजराइल की पहचान भी खोजी जाने लगी। कश्मीर फाइल्स के बारे में उनकी राय से उपजे विवाद ने जब तूल पकड़ लिया तो इससे जितनी दिक्कत उन्हें हुई होगी, उससे ज्यादा उनके देश के सामने एक असुविधाजनक स्थिति पैदा हो गई। हालत यहां तक पहुंची कि भारत में इजराइल के राजदूत नाओर गिलोन ने नदव लापिद की टिप्पणी के लिए अपने देश की ओर से कहा कि एक इंसान के रूप में मुझे शर्म आती है। उन्होंने कहा, हम अपने मेजबानों से उस बुरे तरीके के लिए माफी मांगना चाहते हैं कि हमने उनकी उदारता और दोस्ती के बदले यह दिया है। दरअसल, अलग-अलग देशों के बीच कूटनयिक संबंध कई बार इस कदर संवेदनशील होते हैं कि बहुत मामूली घटना से उथल-पुथल मच जा सकती है। इसलिए किसी देश के आंतरिक मामलों से संबंधित समस्याओं और खासतौर पर राजनीतिक मुद्दों के बारे में आधिकारिक रूप से राय जाहिर करते हुए हर एक शब्द तक का ध्यान रखा जाता है। नदव लापिद फिल्म समारोह में जूरी के मुख्य के रूप में जरूर बोल रहे थे, मगर यह पहलू समझने में उन्होंने शायद जरूरी सावधानी नहीं बरती। दूसरी ओर, एक समस्या यह भी रही कि समारोह में शामिल फिल्मों की विषय-वस्तु कई बार बहस का विषय बन सकती है और उसमें कुछ अप्रत्याशित टिप्पणियां आने की भी आशंका होती है, इसलिए उसके सार्वजनिक प्रसारण को लेकर भी सचेत रहना जरूरी होना चाहिए। बहरहाल, इस मसले पर इजराइल की ओर से आई प्रतिक्रिया के बाद उम्मीद की जानी चाहिए कि भविष्य में ऐसी अप्रिय स्थितियों से बचने की कोशिश की जाएगी।

श्रद्धा पूर्वक मनाया तपकल्याणक

संसार का यह रूप, सम्पदा क्षणिक है: मुनि श्री सुप्रभसागर

युवराज शांतिनाथ को हुआ संसार से वैराग्य

बानपुर, ललितपुर. शाबाश इंडिया

कस्बा बानपुर में बस स्टैंण्ड स्थित महाराजा मर्दन सिंह क्रिकेट ग्राउंड बानपुर में आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के सुयोग्य शिष्य मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज, मुनि श्री समत्व सागर जी महाराज, श्री प्रणत सागर, मुनि श्री सौम्यसागर, मुनि श्री साक्ष्य सागर, मुनि श्री निवृत्तसागर के मंगल सान्निध्य में चल रहे श्री मज्जिनेन्द्र शांतिनाथ चौबीसी तथा मानस्तम्भ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा, विश्वशांति महायज्ञ एवं गजरथ महोत्सव में शुक्रवार को तपकल्याणक को आस्था श्रद्धा के साथ मनाया गया। महोत्सव के प्रचारमंत्री डॉ सुनील संचय ने बताया कि शुक्रवार को तप कल्याणक विधि विधान के साथ आयोजित हुआ जिसमें सर्वप्रथम प्रातः 6.30 बजे से अभिषेक, शांतिधारा, जन्मकल्याणक पूजन, स्वप्न, अन्न प्रासन विधि की गई। 9 बजे से राजदरबार, राज्याभिषेक, राजतिलक और चक्ररत्न की उत्पत्ति की विधि की गई। दोपहर में महाराजा विश्वसेन का दरबार, राज्याभिषेक, मुकुटबद्ध राजाओं द्वारा भेंट समर्पण की क्रियाओं को किया गया। तीन बजे से परिनिष्क्रमण कल्याणक विधि, दीक्षा संस्कार, वैराग्य, लोकांतिक देवों का आगमन दर्शाया गया। तपकल्याणक को नाट्यरूप में प्रस्तुत किया गया, जिसमें राज्याभिषेक के बाद युवराज शांतिनाथ को वैराग्य आ जाता है। संसार की क्षणभंगुरता के बोध से युवराज को संसार से वैराग्य हो गया और उनके जैनेश्वरी दीक्षा की प्रक्रिया मंचित की गई। इसके बाद दीक्षा विधि हुई। इस मौके पर मुनि श्री सुप्रभसागर जी ने अपने प्रवचन में कहा कि जब वैराग्य आता है तो संसार के सारे सुख नश्वर होते हैं। जैसे आज आपने देखा युवराज को कैसे संसार से वैराग्य हो गया। उनके पास संसार के सारे वैभव हैं लेकिन जब उन्हें वैराग्य आया तो सारे वैभव को त्याग कर दिगंबरत्व को धारण करते हैं। संसार का यह रूप, सम्पदा क्षणिक है, अस्थिर है, किन्तु आत्मा का रूप आलौकिक है, आत्मा की संपदा अनंत अक्षय है। उन्होंने कहा कि पुण्यात्मा का ऐसा नियोग होता है की वह पुण्यात्मा के घर में ही जन्म लेता है। पाप को नष्ट करने के लिए पुण्य की जरूरत होती है तो पुण्य को नष्ट करने के पुण्य की जरूरत है। यदि तुम्हारा पड़ोसी अच्छा है ये भी तुम्हारे पूर्वजन्म के पुण्य का ही उदय है। महान पुण्यात्मा थे तीर्थकर भगवान शांतिनाथ थे जिन्होंने कामदेव, चक्रवर्ती और तीर्थंकर जैसे महान पद एक साथ प्राप्त किया था । उन्होंने कहा कि निमित्त कुछ करता नहीं है लेकिन बिना निमित्त के कुछ होता भी नहीं है। जैसे पैर के कांटे को निकालने के लिए हाथ का कांटा जरूरी है वैसे ही पूर्व पुण्य के निमित्त से ही वर्तमान का पुण्य-पाप नष्ट होना संभव है।

महोत्सव में शांतिधारा का सौभाग्य पवन सिंघई एवं नीरज सिंघई परिवार को प्राप्त हुआ। महाआरती का सौभाग्य हरिवंश सिंघई परिवार बानपुर को प्राप्त हुआ। मंगलाचरण विशाश्री महिला मण्डल बानपुर ने किया। मुनिश्री का पाद प्रशालन मड़वैया परिवार एवं शास्त्र भेंट एवं महाआरती का सौभाग्य हरिवंश सिंघई परिवार बानपुर को मिला। रात्रि में आरती, सांस्कृतिक कार्यक्रम मंच कलाकार राजेन्द्र उमरगा महाराष्ट्र एवं संगीतकार अंकित एण्ड पार्टी गुना के निर्देशन में किया गया। दोपहर 4 बजे मुनि श्री सुप्रभ सागर जी द्वारा सम्यक समाधान के ऑनलाइन कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की अनेक जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। रमेश चंद जैन अहमदाबाद परिवार का सम्मान आयोजन समिति द्वारा किया गया जिन्होंने पंचकल्याणक की सम्पूर्ण द्रव्य एवं विधिनायक भगवान विराजमान करने का सौभाग्य प्राप्त किया।

गाँव रजवास मे गाजेबाजे के साथ सन्त निवास शिलान्यास कार्यक्रम सम्पन्न

निवाई. शाबाश इंडिया। गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी संघ के सानिध्य में जैन समाज रजवास द्वारा सन्त निवास शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें श्रद्धालुओं ने बड़चड़कर भाग लिया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि सकल दिगम्बर जैन समाज रजवास के श्रद्धालुओं द्वारा सर्व प्रथम माताजी को श्री फल भेंट किया। इसके बाद बाल मनुहार टीया जैन ने मंगलाचरण मे संगीत के साथ एकल नृत्य की प्रस्तुति दी। संत निवास का शिलान्यास करने का सोभाग्य श्रेष्ठी ताराचंद केलाश चंद राजेश कुमार मनीष कुमार जैन बाकलीवाल को मिला। सन्त निवास शिलान्यास कार्यक्रम का मंच संचालन जैन समाज के मंत्री महावीर प्रसाद पराणा ने किया। शिलान्यास को लेकर रजवास मे श्रद्धालुओं ने गुरु विराग सागर महाराज एवं आर्यिका विज्ञाश्री माताजी का पूजन किया गया जिसमें रजनीश शास्त्री के सानिध्य में सन्त निवास के शिलान्यास कार्यक्रम पूजा अर्चना के साथ अनेक कार्यक्रम किए गए।

तीये की बैठक

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता हैं कि हमारी पूजनीया माताजी

श्रीमती कमला देवी काला

(धर्मपत्नी स्व. श्री कपूरचंदजी काला)

का स्वर्गवास 30.11.2022 को हो गया है।

जिनकी तीये की बैठक शनिवार 3.12.2022 को प्रातः 9 बजे
दिगंबर जैन मंदिर शास्त्री नगर, जयपुर
पर रखी गई है।

शोकाकुलः-

राजकुमार-संतोष, अरुण-संगीता (पुत्र-पुत्रवधू)
नेमीचंद, आनंद, महेंद्र, प्रकाश, पवन, विजय (देवर)
आशा-मनोज छाबड़ा, माया-विजय झांझरी (बेटी-दामाद)
ऐश्वर्या-सिद्धांत पाटनी (पोत्री-दामाद), शोभित, रौनक, कल्पित (पौत्र)
एवं समस्त काला परिवार (लामियां वाले)

पीहर पक्षः
इंद्रचंद जी-चद्रप्रकाश जी एवं समस्त बड़जात्या परिवार (धोबलाई वाले)

प्रतिष्ठान

कपूर प्रिंटर्स, जयपुर 9414063737, 9413178092
शोभित प्रिंटर्स एंड स्टेशनर्स, जयपुर 8740057439
जिनेन्द्र प्रिंटर्स, जयपुर

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा
महोत्सव 24 नवम्बर से
28 नवम्बर 2022

महामस्तकाभिषेक
महोत्सव 27 नवम्बर से
04 दिसम्बर 2022

दिगम्बर जैन आतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी

भगवान महावीर महामस्तकाभिषेक महोत्सव-2022

24 नवम्बर से 04 दिसम्बर 2022 तक

पावन सानिध्यः वात्सल्य वारिधि
आचार्य श्री 108 वर्धमानसागर जी महाराज ससंघ

स्थानः दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी, जिला करौली (राज.)

सांस्कृतिक कार्यक्रम

दिनांक	:	25-11-2022	वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज के जीवन पर आधारित नृत्य नाटिका
दिनांक	:	26-11-2022	श्री रूपेश जैन एण्ड पार्टी
दिनांक	:	27-11-2022	रंगशाला नाट्य अकादमी, इंदौर
दिनांक	:	28-11-2022	डॉ. गौरव सौगानी एण्ड पार्टी, जयपुर
दिनांक	:	29-11-2022	पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग राजस्थान
दिनांक	:	30-11-2022	वीणा कैसेट्स, जयपुर
दिनांक	:	01-12-2022	राष्ट्रीय कवि सम्मेलन
दिनांक	:	02-12-2022	श्री दिगम्बर जैन महासमिति, सांगानेर (जयपुर)
दिनांक	:	03-12-2022	सम्मान समारोह
दिनांक	:	04-12-2022	भगवान महावीर के वृत्त चित्र का प्रदर्शन

प्रबन्धकारिणी कमेटी, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी

सुधान्शु कासलीवाल अध्यक्ष	शांतिकुमार जैन उपाअध्यक्ष	महेन्द्र कुमार पाटनी मानद मंत्री
सुभाषचन्द जैन संयुक्त मंत्री	उमरावमल संघी संयुक्त मंत्री	विवेक काला कोषाध्यक्ष

सदस्यगण :- सुभद्र कुमार पाटनी, नरेश कुमार सेठी, भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी मुंम्बई (शिखरचन्द पहाडिया), पूनमचन्द शाह, डॉ. कमलचन्द सौगानी, नगेन्द्र कुमार जैन, हेमन्त सौगानी, अशोक जैन, कमल कुमार बड्जात्या, नरेन्द्र कुमार जैन, देवेन्द्र कुमार जैन, अशोक कुमार पाटनी, सतीश अजमेरा, सुधीर कासलीवाल, सी. पी. जैन, डॉ. पदम कुमार जैन, प्रदीप कुमार जैन, अनिल पाटनी (दीवान), रूपिन के. काला, सुरेश सबलावत

आचार्य 108 श्री इन्द्रनंदी जी महाराज ससंघ का चोसला ग्राम के लिए हुआ भव्य मंगल विहार

फागी. शाबाश इंडिया

फागी कस्बे में आचार्य 108 इन्द्रनंदी जी महाराज, मुनि 108 श्री क्षमानंदी जी महाराज ससंघ ने 15 दिन धर्म की भव्य प्रभावना बढ़ाने के बाद ने आज फागी से नीमेडा होते हुए चोसला ग्राम के लिए दोपहर भव्य मंगल विहार किया। चोसला ग्राम की सीमा समाज ने बेन्ड बाजों से संघ की भव्य आगवानी कर मंगल प्रवेश कराया तथा संघ का पाद प्रक्षालन कर आरती करके संत भवन में ठहराया गया। गोधा ने अवगत कराया कि आचार्य सघ के पावन सानिध्य में चोसला ग्राम में 3,4दिसम्बर 2022 को श्री मज्जिनेन्द्र आदिनाथ नवग्रह मंदिर चोसला में भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव होगा,उक्त कार्यक्रम सकल दिगम्बर जैन समाज के सहयोग से युवा प्रतिष्ठाचार्य पंडित मनोज जैन शास्त्री बगरोही के दिशा निर्देशन में विभिन्न मंत्रोचारणों के द्वारा सम्पन्न होगा। फागी से मंगल विहार में समाज सेवी सोहनलाल झंडा, फागी अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान महावीर जैन, पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, केलास पंसारी, चम्पालाल जैन, संतोष बजाज,रतन लाल नला,हरकचद्र झंडा, शिखर मोदी, सत्येन्द्र झंडा,पारस नला, मोहनलाल धाबड धींगा, राजेंद्र मोदी, रमेश बावड़ी,महेंद्र बावड़ी, अशोक नला,सुरेंद्र पंसारी, कमलेश चोधरी,पवन कागला, अशोक कागला, शिखर पीपलू, मितेश लदाना, त्रिलोक पीपलू, तथा राजाबाबू गोधा सहित काफी श्रावक श्राविकाएं साथ-साथ था।

आर्यिका संघ का मंगल विहार आरोंन की ओर हुआ

श्रद्धालुओं ने भाव विभोर होकर विदाई दी

राघौगढ़. शाबाश इंडिया। जैन आचार्य विद्यासागर जी महाराज की शिष्या ज्येष्ठ आर्यिका सूत्रमती माताजी ससंघ का मंगल विहार श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर राघौगढ़ से गाजे-बाजे के साथ हुआ। उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच मंगल प्रवचन करते हुए आर्यिका निष्काम मती माताजी ने कहा राघौगढ़ धर्म नगरी है। यहां पर चातुर्मास में सभी ने धर्म लाभ लिया है, यहां के सभी श्रद्धालु अनुशासित एवं धर्म प्रिय हैं आपने यह भी कहा हम तीन आर्यिकाओं का संघ से अलग होकर पहली बार चतुर्मास हुआ। यहां की धर्म प्रभावना एवं धर्म परायणता से हम अभिभूत हैं। राघौगढ़ की जैन समाज संत सेवा में अग्रणी हैं। आपने सभी को आह्वान किया चातुर्मास में जो लाभ लिया है उसे आगे जारी रखकर जीवन को आत्म कल्याण की ओर बढ़ाएं। उल्लेखनीय है आर्यिका निष्काम मती, विरत मती एवं तथा मती तीन माताजी का चातुर्मास राघौगढ़ नगर में हुआ है। पिछले माह आयोजित श्री कल्पद्रुम महामंडल विधान के अवसर पर ज्येष्ठ आर्यिका सूत्र मती, सुशील मती सुशांत मती एवं कर्तव्य मती चार माताजी कुंभराज से बिहार कर राघौगढ़ आ गयी थी।आज सभी सात माता जी का मंगल विहार हो गया। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने जैन मंदिर से पैदल चलकर धीरपुर तक पूज्य माता जी का बिहार कराया।

दीपावली महोत्सव एवम नववर्ष शुभागमन कार्यक्रम संपन्न

कोटा. शाबाश इंडिया। महासमिति महिला संभाग में मनाया दीपावली महोत्सव एवं नववर्ष आगमन के उपलक्ष में किया समाज की वरिष्ठ महिलाओं का सम्मान अध्यक्ष श्रीमती मधु शाह ने बताया कि इस कार्यक्रम में 151 महिलाओं की भागीदारी रही । राजस्थानी थीम पर यह कार्यक्रम किया गया । प्रचार प्रसार मंत्री मृदुला ने बताया कि विज्ञान नगर स्थित दिगंबर जैन धर्मशाला में राजस्थानी नृत्य राजस्थानी पहनावा राजस्थानी भोजन एवं राजस्थानी थींम के साथ सभी ने भरपूर आनंद लिया। मंत्री किरण जैन एवं रजनी बसन्त विहार ने बताया

कार्यक्रम का संचालन राजस्थानी भाषा में श्रीमती मधु शाह एवं संगीता कासलीवाल ने किया, संगीता शैलेंद्र, मधु शाह सीम्मी सोनी, मृदुला, मंजू अजमेरा, अर्चना, स्वेता, अनेक महिलाओं ने राजस्थानी थीम पर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की राजस्थानी बनी ठनी का ताज श्रीमती मीनू पाटनी महावीर नगर सेकंड को पहनाया गया। कार्य कार्यक्रम में अंता की एवं कोटा के सदस्यों में अनेक सदस्यों ने भाग लिया जिसमें श्रीमती शकुंतला सेठी ,श्रीमती राजकुमारी बड़जात्या, पिंकी पांड्या,शांति देवी जी छावनी, प्रिया अग्रवाल, अनीता गंगवाल ने दीप प्रज्वलन किया एवं अलका बाकलीवाल, मंजू अजमेरा ,मैना जैन, संगीता सुरेंद्र स्वाति पाटनी, सकल दिगंबर जैन समाज महिला प्रकोष्ठ संयोजिका निशा वेद , चंद्रा पाटोदी ,जय श्री बांसवाड़ा, रानी निरखि, रेखा,अर्चना टोंग्या, सीमा गोधा ,सिम्मी सोनी, आशा श्रीमाल, महावीर नगर, फूल कंवर जैन, सुशीला पाटनी, नीलम शाह आदि 151 सदस्यों ने कार्यक्रम का आनंद लिया। श्रीमती शकुंतला सेठी को जीव दया एवं मानव सेवा की भावना के लिए नारी गौरव से सम्मानित किया गया। उक्त समस्त जानकारी राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार कोटा ने प्रदान की।

25th Anniversary

श्रीमती मीना - सुनील चौधरी

जैन सोश्यल ग्रुप संगिनी कैपिटल अध्यक्ष

को 25 वी वैवाहिक वर्षगांठ (3 दिसम्बर, 2023) पर

हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई

शुभेच्छु: समस्त संगिनी कैपिटल परिवार

रानी बाग पधारे मुनि विशोक सागर

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया। मुनि श्री 108 विशोक सागर जी महाराज ससंघ (4 पिच्छी) का दिनांक 2 दिसम्बर 2022 को लगभग 8 वर्ष पश्चात श्री शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, रानी बाग, दिल्ली में जिनदर्शन हेतु मंगल आगमन हुआ ।इस अवसर पर समस्त समाज ने मुनिसंघ की अगवानी की ।पूर्व मे यहा विराजित क्षुल्लक श्री 105 विदेह सागर जी महाराज ने मुनिसंघ की चरण वंदना कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। पूज्य मुनिश्री ने श्री शान्तिनाथ भगवान की वंदना कर समाज को सम्बोधित करते हुए कहा कि जीवन में निर्माण और निर्वाण होते हैं। हम निर्माण तो बहुत करते हैं परंतु निर्वाण प्राप्ति की ओर ध्यान नहीं देते। पूज्य मुनि श्री ने रानी बाग जिनालय की भव्यता व दिव्यता को देखकर प्रसन्नता का अनुभव किया तथा समाज की भूरी भूरी प्रशंसा की।
- समीर जैन (प्रचारमंत्री)

दिगम्बर जैन सन्त अन्तर्मना आचार्य गुरुदेव प्रसन्न सागर जी के 500 उपवास पूरे

28 जनवरी को होगा महापारणा महोत्सव

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया। उग्रतम साधना करने वालें सन्त दिगम्बर जैन सन्त अन्तर्मना आचार्य गुरुदेव के 500 उपवास आज 2 दिसम्बर को पूर्ण हुये । इसको लेकर भक्तों में उत्साह का वातावरण हैं। 28 जनवरी को होगा महापारणा माहोत्सव: देश भर में पूजन भजन आरती व दीप उत्सव मनेगा। आचार्य भगवन कहते हैं कि अगर आप किसी भी काम में पूरी तन्मयता से डूब जाते हैं, तो समझो जीवन मे आध्यात्मिक प्रक्रिया वहीं शुरू हो जाती है। इसी आध्यात्मिक से अपना तन-मन और जीवन को तप साधना में समर्पित करने वाले तीर्थंकर मार्गी अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज अपने 500 वे सिंह निष्क्रीड व्रत को पूरा करने की ओर अग्रसर हैं। गुरुदेव की 500 दिन की साधना आज 2 दिसंबर 2022 को पूरी हो गई। उपवास की साधना में गुरुदेव के उपवास निर्विघ्न पूर्ण होने पर भक्तो में अपार उत्साह है। कहते हैं ना कि गुरु समस्त मंत्रों का मूल गुरु है और गुरु ही परम तप है। गुरु की प्रसन्नता मात्र से शिष्य सिद्धि को प्राप्त कर लेता है। गुरु की कृपा से शक्ति प्रसन्न होती है और शक्ति की प्रसन्नता से मोक्ष प्राप्त होता है। ऐसे गुरु जिनकी साधना मात्र से भक्तो का पुण्यप्रवलता की और बढ़ रहा हो तो भक्तो की खुशी अपने आप अंतर्मन से उत्साहित हो रही है।

शैक्षणिक भ्रमण में विद्यार्थियों की सीखने में रुचि दिखाई दी

जोधपुर. शाबाश इंडिया

शिक्षा विभाग एवं भारती फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय अजबार के विद्यार्थियों को एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण जिसमें माचिया सफारी पार्क, उप क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र जोधपुर, एवं मंडोर पार्क ले जाया गया जिसमें करीब 69 विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, सभी विद्यार्थियों बहुत उत्साहित नजर आए तथा सीखने के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता दिखाई दी। प्रभारी पुनीत भटनागर ने बताया कि उप क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र एवं तारामंडल का वीडियो प्रदर्शन विद्यार्थियों को काफी अच्छा लगा। शैक्षणिक भ्रमण के रुझान यह बता रहे हैं कि आज विद्यार्थियों ने जो अपनी आंखों से जो प्रत्यक्ष देखा वह उनकी स्मृति में काफी लंबे समय तक बना रहेगा और आज सीखे हुए ज्ञान को वह काफी लंबे समय तक अपने विद्यालय के छोटी कक्षाओं के विद्यार्थियों के साथ साझा कर सकेंगे।

सीताराम अग्रवाल को जन्मदिन पर सिद्धा ग्रुप ने दी बधाई

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष एवं उद्योगपति मंगला सरिया के चेयरमैन विद्याधर नगर कांग्रेस विधायक प्रत्याशी सीताराम अग्रवाल के जन्मदिन पर जे एस जी सिद्धा ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष धीरज पाटनी ने ग्रुप सदस्यों के साथ बधाई और बहुत-बहुत शुभकामनाएं प्रेषित की ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com